

स्थूलाक्षर पुं. (तत्.) (मुद्रण) मोटे/गहरे काले टाइप वाला अक्षर।

स्थूलास्य पुं. (तत्.) साँप, सर्प।

स्थूलाम पुं. (तत्.) कलमी आम।

स्थूली पुं. (तत्.) ऊँट।

स्थूलोच्चय पुं. (तत्.) हाथी जैसी मध्यम चाल, यह न बहुत तेज चाल होती है और न ही बहुत सुस्त।

स्थूलोदर वि. (तत्.) बड़ी तोंद वाला पुं. मोटा पेट, तोंद।

स्थेय वि. (तत्.) स्थापित किए जाने योग्य, जो स्थापित किया जा सके, जो स्थापित किए जाने को हो पुं. 1. पुरोहित 2. पंच, न्यायकर्ता।

स्थैतिक वि. (तत्.) 1. स्थिति से संबंधित 2. अचल, स्थिर, निश्चल 3. जिसमें उतार-चढ़ाव न हो जैसे- स्थैतिक कीमतें भौ. स्थैतिकी संबंधी जैसे- स्थैतिक ऊर्जा।

स्थैतिक संतुलन पुं. (तत्.) अर्थ. किसी भी अर्थव्यवस्था (या बाजार) की वह विशेष स्थिति जिसमें परिवर्तन होने पर भी परिवर्तनों का निवल परिणाम शून्य हो।

स्थैतिक स्थिति स्त्री. (तत्.) अर्थ. सभी आर्थिक चरों का निवल मान स्थिर या अपरिवर्तित रहने से संबंधित काल्पनिक स्थिति।

स्थैतिकी स्त्री. (तत्.) स्थितिविज्ञान।

स्थैर्य पुं. (तत्.) 1. स्थिरता 2. दृढ़ता, मन की दृढ़ता 3. निरंतरता, सातत्य 4. धैर्य।

स्थौर पुं. (तत्.) 1. स्थिरता 2. दृढ़ता 3. उतनी ही सामग्री जो एक बार में (अपनी/किसी की) पीठ पर लादकर ले जाई जाए, खेप।

स्थौल्य पुं. (तत्.) 1. स्थूल होने संबंधी अवस्था (गुण/भाव, स्थूलता) 2. मोटापा 3. भारीपन।

स्नपन पुं. (तत्.) नहाने की क्रिया, स्नान।

स्नसा स्त्री. (तत्.) स्नायु।

स्नात वि. (तत्.) नहाया हुआ, जिसने स्नान किया हो।

स्नातक पुं. (तत्.) 1. विद्या का अध्ययन एवं ब्रह्मचर्य व्रत समाप्त कर लेने वाला 2. विश्वविद्यालय की वह उपाधि जो आम तौर पर 12 वीं कक्षा के पश्चात् तीन वर्ष का अध्ययन पूरा कर लेने के उपरांत प्राप्त होती है। graduate

स्नातकोत्तर वि. (तत्.) 1. विश्वविद्यालय की स्नातक उपाधि परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत आगे किसी विषय विशेष में अध्ययन करने के बाद मिलने वाली उपाधि 2. स्नातक होने के उपरांत उच्चतर उपाधि परीक्षा उत्तीर्ण व्यक्ति।

स्नातव्य वि. (तत्.) जिसे स्नान करना जरूरी या उचित हो।

स्नान पुं. (तत्.) 1. स्वच्छ/शीतल करने के लिए समस्त शरीर को जल से धोना या नदी-तालाब जलराशि में प्रवेश करना, नहाना, अवगाहन 2. देवी-देवता आदि की मूर्ति को जल आदि से नहलाने संबंधी क्रिया 3. किसी व्रत/नियम के अनुसार या किसी नदी/सरोवर में नित्य नहाने की क्रिया जैसे- कार्तिक स्नान 4. विशिष्ट पर्वोत्सवों पर तीर्थ आदि में नहाने के लिए लगने वाला मेला जैसे- कुंभ स्नान 5. धूप, पानी की भाप आदि में इस प्रकार बैठना-लेटना ताकि सारे शरीर पर उसका प्रभाव पड़े जैसे- धूप स्नान, वाष्प स्नान 6. चाँदनी या धूप आदि का किसी अन्य पर अच्छी तरह से प्रसार, बिखराव या छिटकाव जैसे- चंद्रमा की चाँदनी से पूरा शहर स्नात था।

स्नान-गृह पुं. (तत्.) नहाने का कमरा, स्नानागार, हमाम, गुसलखाना।

स्नान-तृण पुं. (तत्.) शास्त्रानुसार हाथ में कुश लेकर नहाने संबंधी विधान।

स्नान-यात्रा स्त्री. (तत्.) ज्येष्ठ पूर्णिमा को होने वाला एक उत्सव, जिसमें भगवान विष्णु की प्रतिमा को विशेष स्नान कराया जाता है।